DATE :

(क) "रहिमन बिपदाहू भली, जो थोरे दिन होय।
हित अनहित या जगत में, जानि परत सब कोय॥"

भावार्थ। – रहीम कहते हैं कि अगर मुसीबत थोड़े समय के लिए आए तो वह भी अच्छी होती है। इसका कारण यह है कि कठिन समय में हमें यह पहचानने का मौका मिलता है कि कौन हमारा सच्चा मित्र है और कौन दिखावे के लिए हमारे साथ है। सुख के समय तो हर कोई साथ देता है लेकिन असली मित्र वही है जो संकट में साथ दे।

(ख) "रहिमन जिह्वा (जिह्वा) बावरी, कहि गइ सरग पताल।
आपु तो कहि भीतर रही, जूती खात कपाल॥"

भावार्थ। – रहीम जी कहते हैं हमारी जीभ बहुत चंचल होती है यह सोचे-समझे कुछ भी कह देती है जिससे व्यक्ति को सुख और दुख दोनों हो सकते हैं लेकिन बोलने के बाद अगर कोई बात गलत निकल गई तो इसका दंड व्यक्ति को ही भुगतना पड़ता है। जीभ तो सुरक्षित रहती है। इसलिए सोच समझकर बोलना चाहिए।

(ग) "रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिये डारि।
जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तलवारि॥"

भावार्थ। – न कोई बड़ा है और न ही कोई छोटा है सबके अपने-अपने काम है सबकी अपनी-2 उपयोगिता है फिर वो चाहे सुई हो या तलवार। सिलाई का काम सुई से किया जाता है तलवार से नहीं। सुई जोड़ने का काम करती है जबकि तलवार काटने का॥

पाठ – 5 रहीम के दोहे

DATE :

Freedom Valley

प्र01– "रहिमन देखि बड़ेन को लघु न दीजिये डारि" का क्या अर्थ है?

उत्तर– इस दोहे का अर्थ है कि किसी भी छोटी चीज को बेकार नहीं समझना चाहिए, क्योंकि हर वस्तु का अपना महत्व होता है जैसे सिलाई में सुई का काम तलवार से नहीं हो सकता, वैसे ही सभी की भूमिका अलग होती है।

प्र02– "तरुवर फल नहिं खात हैं सरवर पियहिं न पान" का संदेश क्या है?

उत्तर– यह दोहा संदेश देता है कि जैसे पेड़ अपना फल खुद नहीं खाता और तालाब अपना पानी खुद नहीं पीते, वैसे ही समझदार लोग अपनी सम्पत्ति दूसरों के भले के लिए भी रखते हैं, न कि केवल अपने लिए।

प्र03– "रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो छिटकाय" का क्या अर्थ है?

उत्तर– यह दोहा बताता है कि प्रेम एक नाजुक धागे जैसा है जिसे टूटने नहीं देना चाहिए। अगर यह टूट जाता है तो उसे जोड़ना कठिन होता है अगर उसे दोबारा जोड़ा जाए तो उसमें गाँठ पड़ जाती है।

प्र04– "रहिमन जिह्वा (जिह्वा) बावरी, कहि गइ सरग पताल" का संदेश क्या है?

उत्तर– इस दोहे का संदेश है कि जुबान बहुत विचित्र है, जो कभी स्वर्ग जैसी खुशी और कभी पाताल जैसी मुसीबत ला सकती है। इसलिए हमें सोच-समझकर बोलना चाहिए ताकि बाद में पछताना न पड़े।

प्र05–

Important Notes ☺